[कोषागार कानपुर नगर]

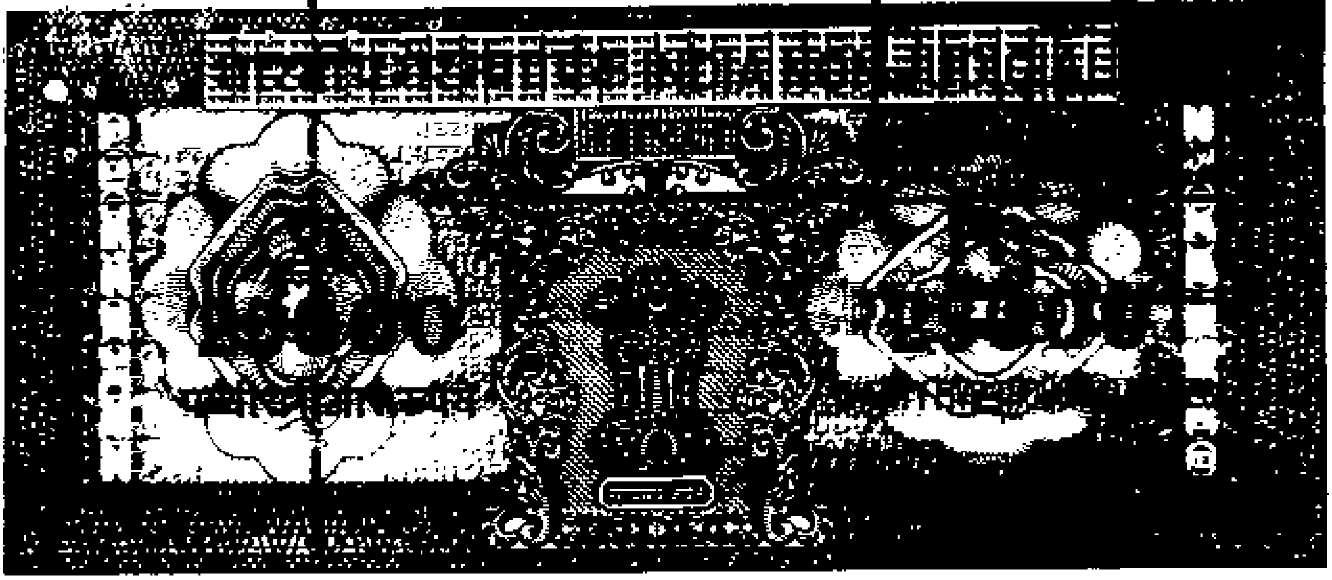

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368941

20

खातेदार के रूप में अंकित कराया था व 1348 फसली के पूर्व से बेनी प्रसाद व

राजाराम का नाम उपरोक्त आराजियात में सह खातेदार के रूप में दर्ज चला

आ रहा था परन्तु गल्ती से उपरोक्त भूमि पर शिव प्रसाद पुत्र मुरली का नाम

प्रेमनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्रकुमार

Chandra Prakash .

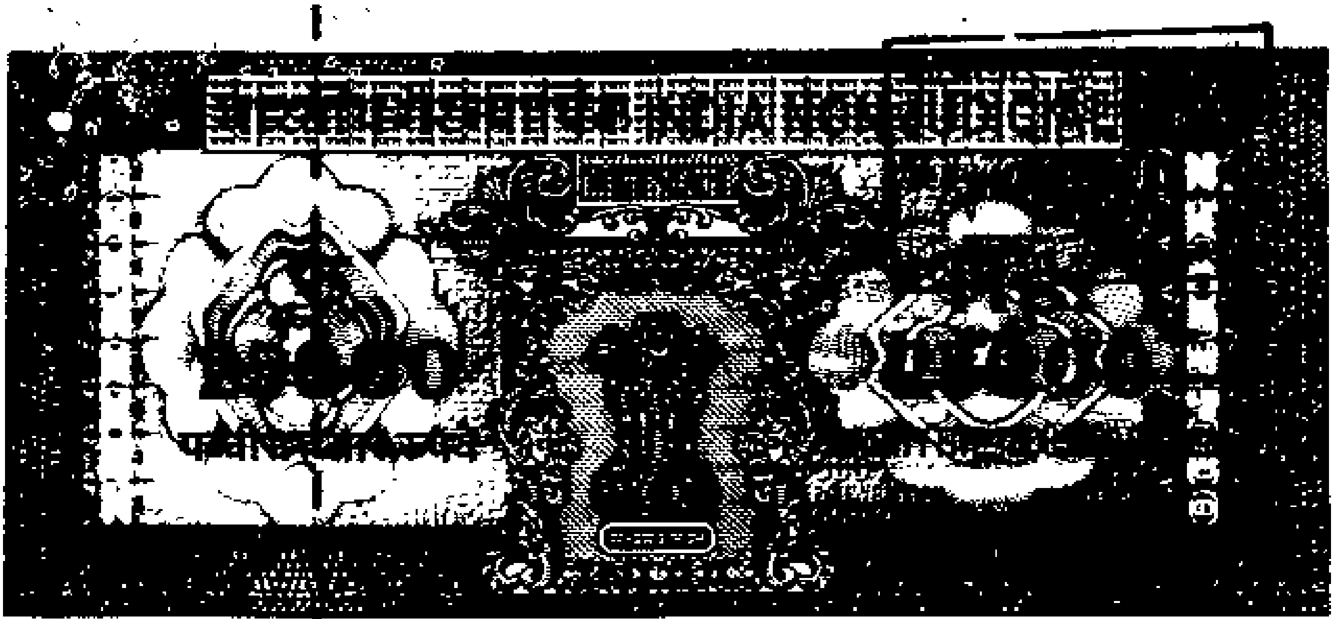

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH A 368940

अंकित कर दिया गया जिनका कि कोई भी हक व हिस्सा उक्त भूमि में नहीं

था अतः प्रभू नरायन उर्फ प्रभू दयाल ने सहायक कलेक्टर प्रथम

श्रेणी/परगनाधिकारी कानपुर के न्यायालय में एक वाद धारा 229–बी/176

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash

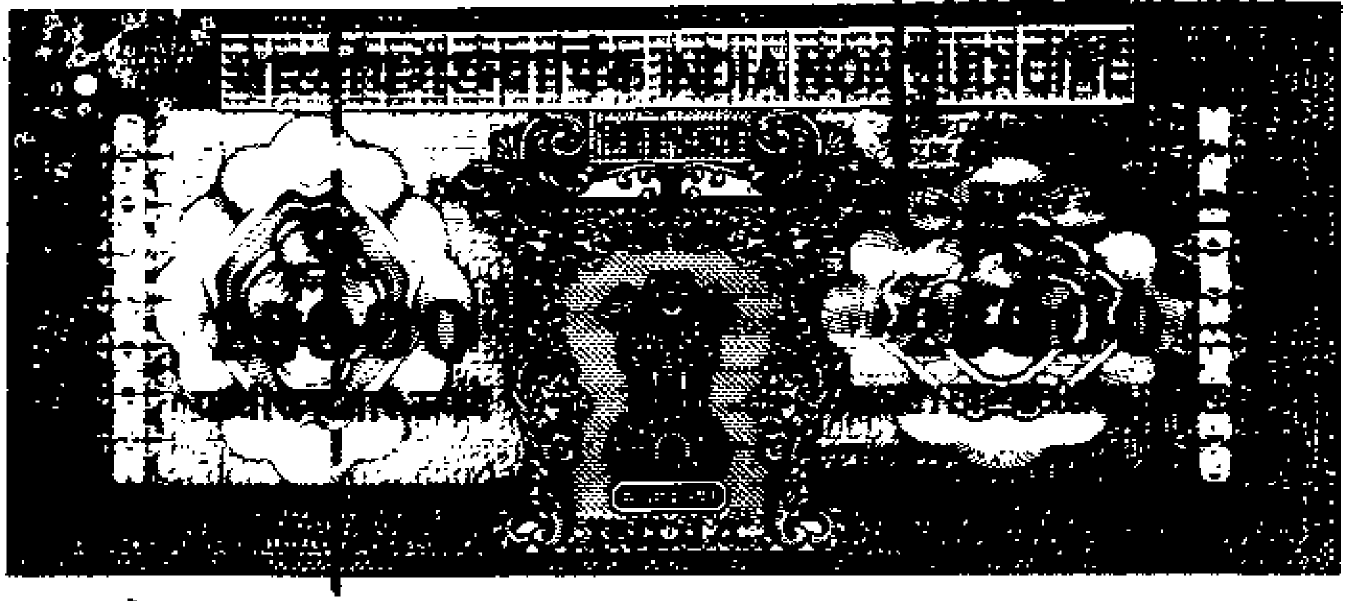

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368939

22

जमींदारी विनाश अधिनियम के अन्तर्गत वाद संख्या 97/92—93 दाखिल किया

जो न्यायालय उपरोक्त में विचाराधीन है व उपरोक्त वाद में माननीय न्यायालय

द्वारा पारित आदेश के विरूद्ध निगरानी व अपील डिवीजनल व अपीलेट कोर्ट में

प्रभुनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash

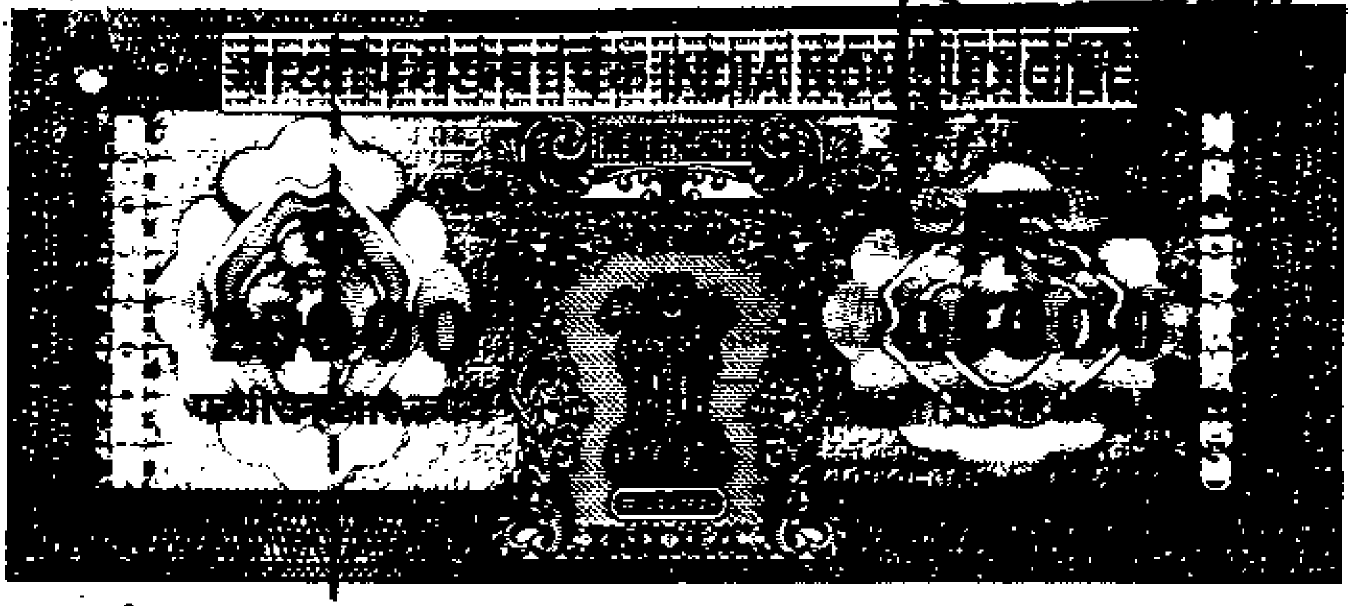

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368938

23

प्रस्तुत होकर निर्णीत हो चुकी हैं । विक्रेतागण उपरोक्त लम्बित वाद में नियत

तिथि पर अपने हर्जे खर्चे पर स्थगन आदेश दिनांक 8–8–1995 को निरस्त

प्र. भूनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash

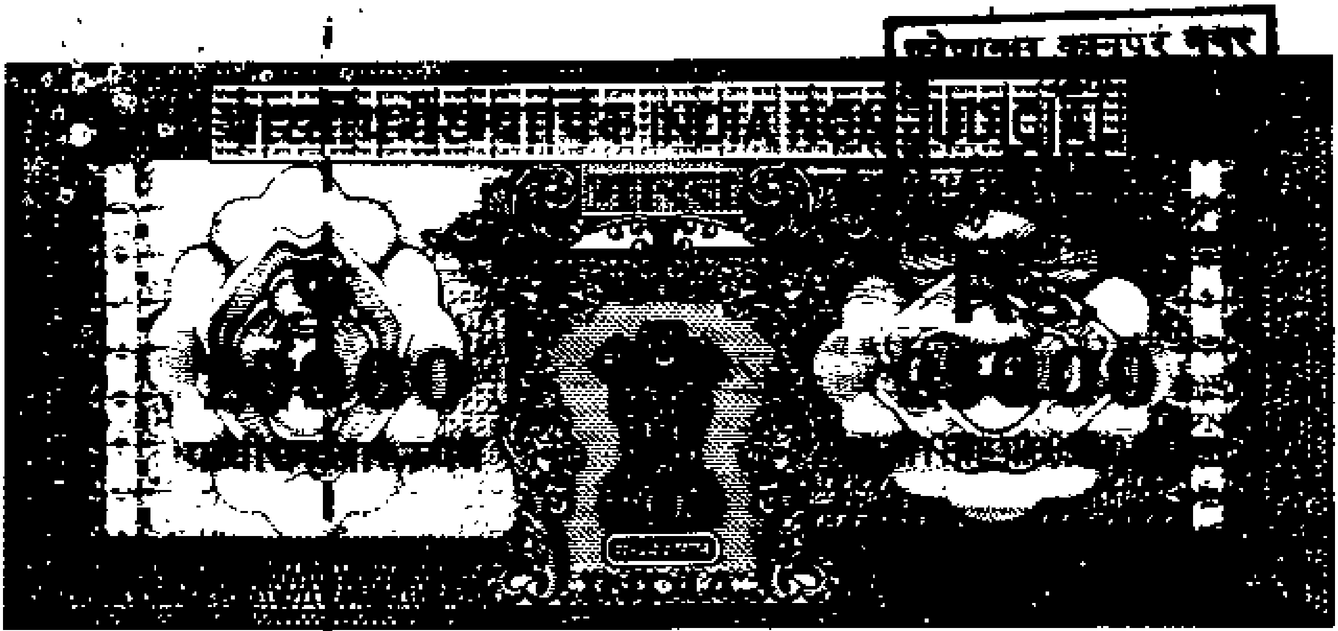

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH A 368937

24

कराने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके माननीय न्यायालय से आदेश प्राप्त करके

आदेश की सत्य प्रतिलिपि क्रेता को उपलब्ध कराकर पूर्ण रूप संतुष्ट कर देंगे ।

प्रेमनारायण

नरेन्द्र कुमार सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash

कोषागार कानपुर नगर

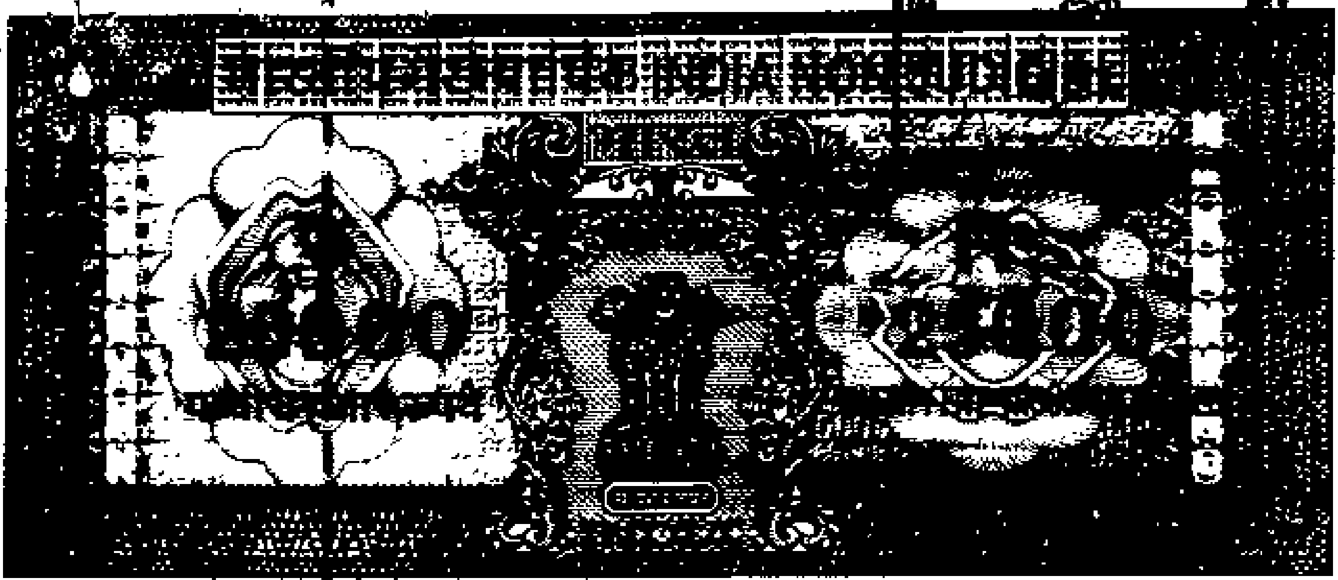

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH A 368936

25

यह भी विदित हो कि उक्त स्थगनादेश के द्वारा विक्रेतागण को आराजी

उपरोक्त को हस्तान्तरित करने के अधिकार प्रभावित नहीं होते हैं क्योंकि उक्त

स्थगनादेश विक्रेतागण की प्रार्थना पर पारित किया गया है अतः क्रेता को

प्रेमनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash

कोषागार कानपुर नगर

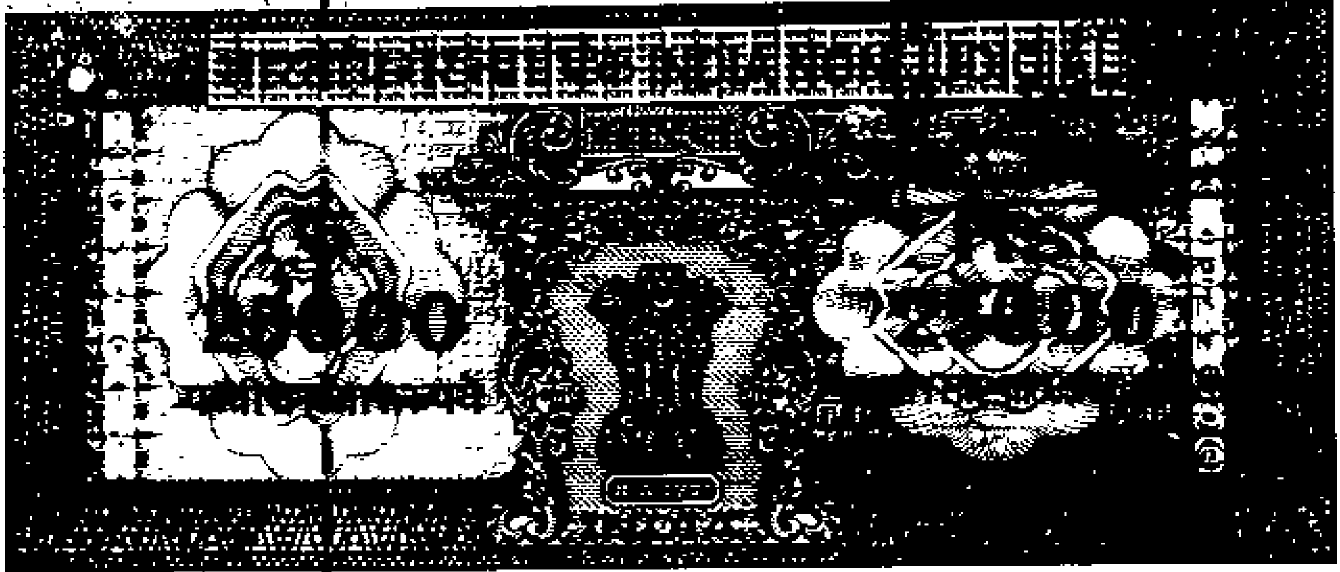

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368935

26

उपरोक्त लम्बित वाद में विक्रेतागण के समान आराजी उपरोक्त क्रय करने के

पश्चात् अधिकार होंगे ।

प्रेमनारायण नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र नाथ

Chandra Prakash.

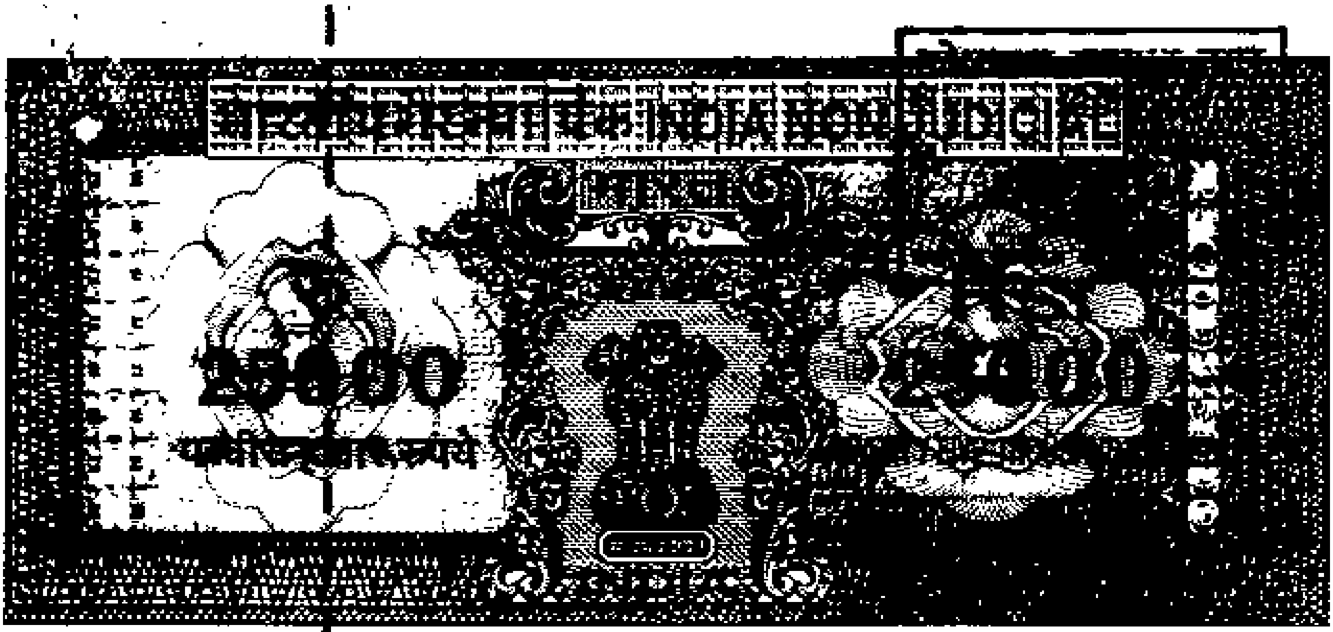

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368934

27

यह भी विदित हो कि श्री बेनी प्रसाद पुत्र लल्लू का देहान्त हो गया और

उन्होने अपनी मृत्यु के समय अपने उत्तराधिकारियों में पुत्रगण प्रभूनरायन उर्फ

प्रभूदयाल व शम्भूदयाल को छोड़ा । दुर्भाग्यवश शम्भूदयाल का देहान्त भी

प्रभुनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार [illegible] कुमार

Chandra Prakash

कोषागार कानपुर नगर

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368933

28

दिनांक 17—11—1995 को हो गया व उन्होने अपनी मृत्यु के समय अपने

उत्तराधिकारियों में अपने पुत्रगण नरेन्द्र कुमार व सुरेन्द्र कुमार व देवेन्द्र कुमार

को छोड़ा । इस प्रकार विक्रेतागण आराजियात उपरोक्त के आधे भाग के

प्रभुनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash.

कोषागार कानपुर नगर

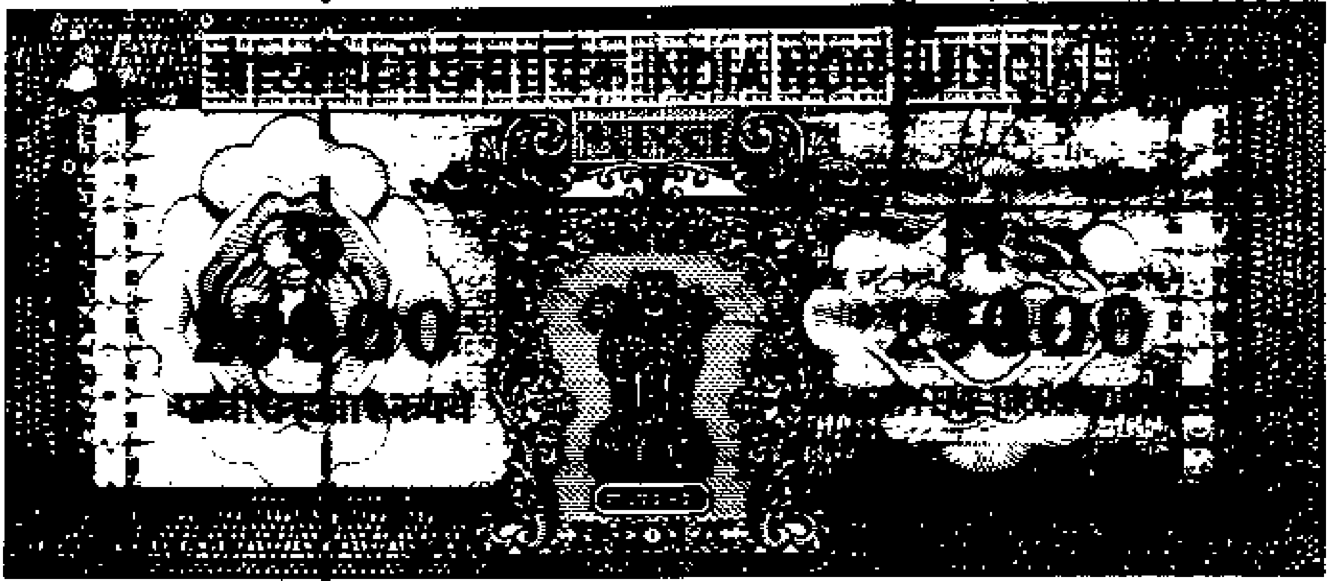

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH A 368932

29

मालिक, काबिज व दखील हुये व उनका नाम बतौर संक्रमणीय भूमिधर आराजी

उपरोक्त पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। विक्रेतागण/प्रथम पक्ष का नाम

आराजी उपरोक्त पर भू राजस्व विभाग के अभिलेखों में अंकित चला आ रहा है

Chandra Prakash

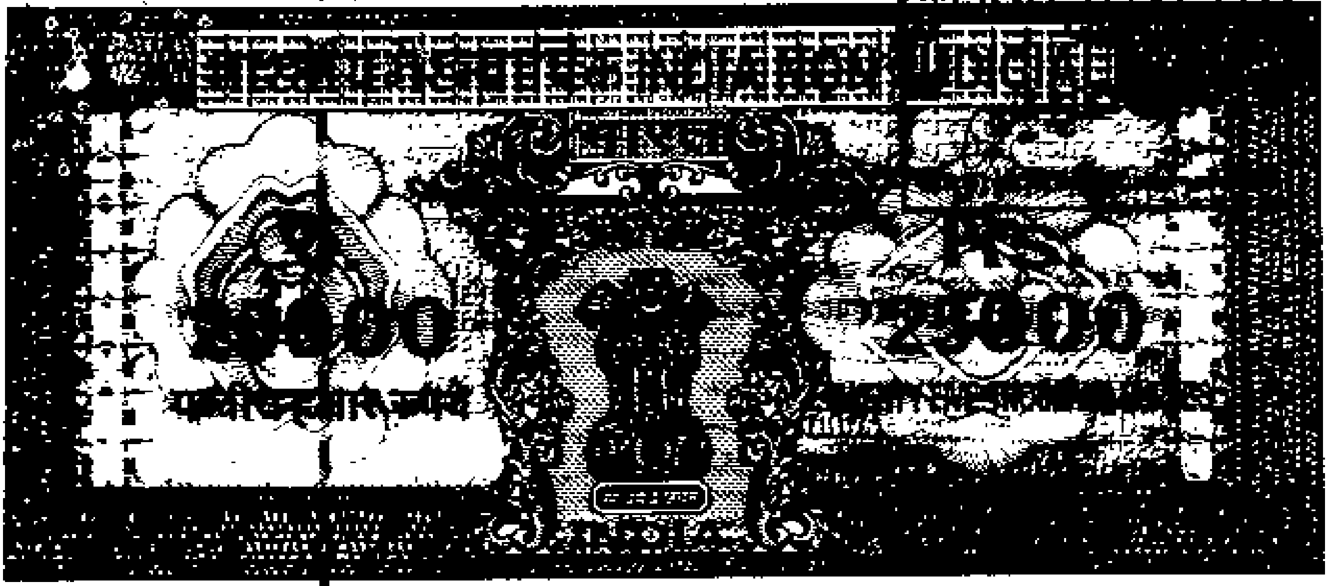

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368931

और प्रथम पक्ष ही आराजी उपरोक्त पर कास्त करते व लगान आदि अदा करते

चले आ रहे हैं। प्रथम पक्ष के अलावा आराजी उपरोक्त का कोई दीगर व्यक्ति

हकदार व हिस्सेदार नहीं है जो कि आज दिन तक हर प्रकार की देनदारी

प्रभुनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368930

आदि से पाक व साफ है, कहीं किसी तौर पर दीगर जगह रहन व बय व

बन्धक आदि नहीं है और प्रथम पक्ष को आराजी उपरोक्त को विक्रय करने से

किसी न्यायालय के निषेधाज्ञा आदेश द्वारा रोका नहीं गया है और आराजी

प्रेमनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 Rs. 25000

पच्चीस हजार रुपये TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH A 368929

उपरोक्त किसी की डिक्री में कुर्क व बरसरे नीलाम आदि नहीं है और आराजी

उपरोक्त में कोई इल्लत इनकम टैक्स व सेल टैक्स व बैंक लोन या सीलिंग

आदि की नहीं है और आराजी उपरोक्त किसी विभाग द्वारा अर्जित नहीं है और

प्र० नारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र

Chandra Prakash.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368928

अर्जन सम्बन्धी कोई नोटिस आज दिन तक प्रथम पक्ष को किसी विभाग द्वारा

प्राप्त नहीं हुआ है । आराजी उपरोक्त आज दिन तक हर प्रकार की देनदारी

आदि से पाक व साफ है और समस्त अधिकार मालिकाना बाबत आराजी

प्रभुनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368927

34

उपरोक्त प्रथम पक्ष को हासिल है । यदि उपरोक्त बातों के विपरीत कोई बात

पायी जावे तो उसकी सारी जिम्मेदारी प्रथम पक्ष की होगी । चूँकि प्रथम पक्ष

को इस वक्त रुपये की आवश्यकता है और आराजी उपरोक्त के विक्रय करने

प्रभुनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368926

के अलावा अन्य कोई विकल्प प्राप्ति रूपया का नजर नही आता है अतः

प्रथमपक्ष ने आराजी उपरोक्त के विक्रय करने की बाबत बात चीत की और

प्रथम पक्ष की आराजी उपरोक्त के हर प्रकार से पाक व साफ होने व तनहा

प्रभातारमन

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र

Chandra Prakash.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368925

अपनी मिल्कियत होने का यकीन व इत्मीनान दिलाने पर द्वितीय पक्ष बकीमत

मुबलिग 1,92,00,000/– एक करोड़ बयानबे लाख रूपया में खरीद करना

स्वीकार किया है कीमत निहायत उचित व बाज़ार भाव के अनुरूप है और इससे

प्रभुनारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र

Chandra Prakash.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368924

अधिक कीमत कोई निकट भविष्य में देने को तैयार नहीं है । अतः आराजी

उपरोक्त को मय समस्त अधिकारों के मय दाखिली व खारिजी हाल व आयन्दा

सबके सब को बजरूरत जायज मजकूरे वाला बिलएवज मुबलिग

Chandra Prakash.

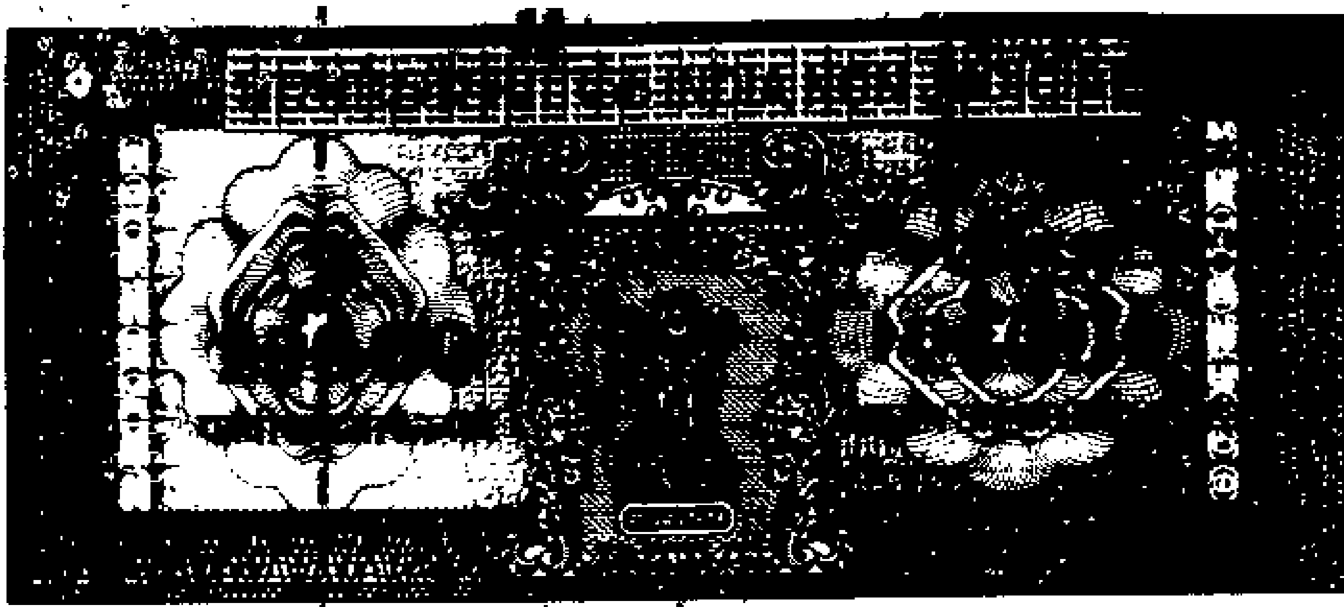

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH　　A 368923

38

1,92,00,000/- एक करोड़ बयानबे लाख रुपया जिसके आधे मुबलिग

96,00,000/- छियानबे लाख रूपया होते हैं बदस्त द्वितीयपक्ष के बय कराई

किया और फरोख्त कर डाला और कुल विक्रय धन नीचे लिखे विवरणानुसार

Chandraprakash.

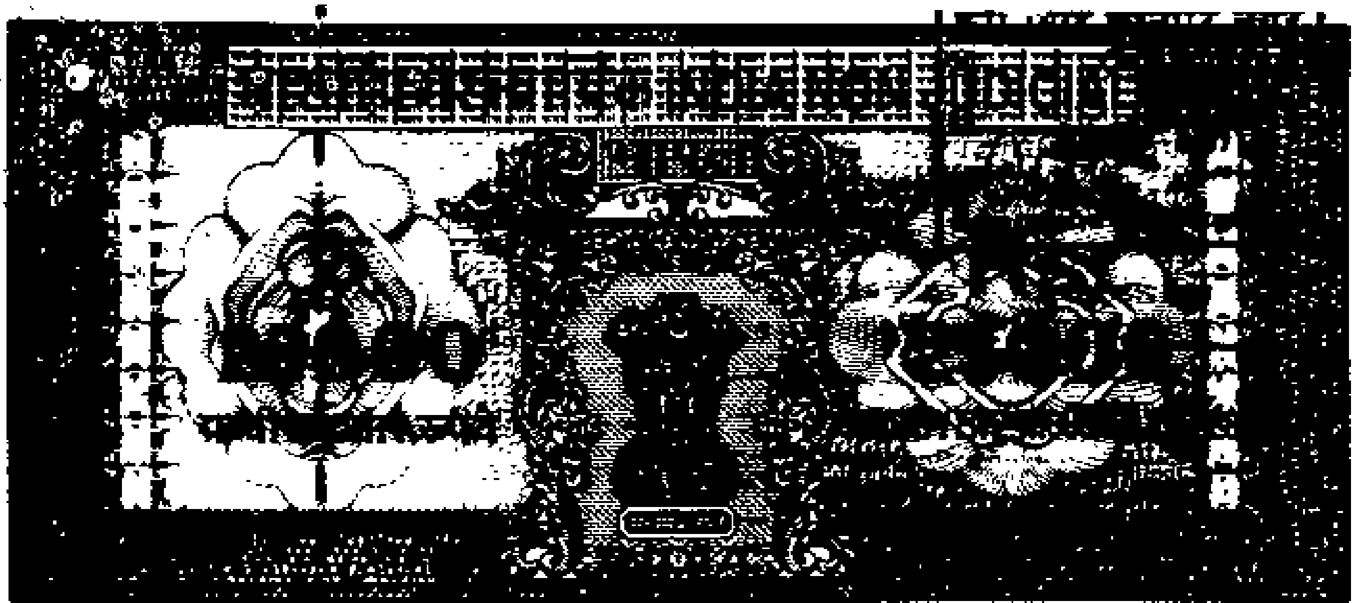

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 368922

39

प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष से प्राप्त कर लिया है । अब कोई पैसा बावत विक्रय

धन जिम्मे खरीदार द्वितीय पक्ष पाना बाकी नहीं रहा और न आयन्दा को होगा

और विक्रीत आराजी को प्रथम पक्ष ने अपने कब्जा व दखल मालिकाना से

प्र. प्र. नारायण

नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार देवेन्द्र कुमार

Chandra Prakash.